

विष्याथ...सात्यकेः...शरीरम् MahāBhā. vii. 94. 11; नसा शिनेः पत्रिभिरग्नि-कल्पैः । दुःशासनस्यापि जघान वाहान् MahāBhā. vii. 115. 24; स्यात् सिताभा गदाप्यग्नि-कल्पं त्रिशूलम् ĪśānS'iPa. i. 13. 43; **iii** (causing burning pain) like fire (said of grief, poison, diseases, harsh words etc.) द्वौ मां शोकावशिकल्पौ दहेताम् MahāBhā. i. 71. 45 = MatsyaP. 25. 53; एषोऽग्नि-कल्पं दुर्वारम् ... । विषं नागपतेर्हन्त्यात् SuśruS. v. 6. 25; यस्त्वग्नि-कल्पानर्थाञ् ज्ञो ज्ञात्वा तेभ्यो निवर्तते । ...तं दुःखं नोपतिष्ठते CaraS. iv. 1. 97 (1941 Ed.); एषोऽग्नि-कल्पो विसर्पः BhelaS. 174. 10 (6. 17); तन्मे मग्नाति हृदयमग्नि-कल्पमिवारणम् । वाग्दुरुक्तम् MatsyaP. 28. 12; **iv** fire-like आर्द्रन्धनकल्पप्रकृतिविशिष्टस्याग्नि-कल्पस्य चेतनस्य प्रपञ्चो-पादानत्वम् SivārkaMaDi. i. 548. 13 (on i. 4. 19); **m.** **i** mental conception of the sacrificial fire स च मानसोऽपि ग्रहकल्पः क्रियाप्रकरणात् क्रियाशेष एव भवति । एवमयमप्यग्नि-कल्प इत्यर्थः BrahmSūBh.(S'ān.) 692. 11 (on iii. 3. 45); **ii** rite or ritual of offerings in fire अथ शैवोऽग्नि-कल्पोऽत्र कथ्यते ĪśānS'iPa. i. 14. 83; **iii** name of one of the 14 or 18 great aeons चतुर्दश पुराकल्पा न मृता येषु नर्मदा । तानहं संप्रवक्ष्यामि...कापिलं प्रथमं विद्धि...माहेन्द्रमग्नि-कल्पं च (एते कल्पा मयाख्याताः) SkandP. v(3). 13. 43; कल्पाश्चाष्टादश ख्याताः ...अग्नि-कल्पो वायुकल्पः BhaviP. 602A. 27 (iii(4). 25. 53)

अग्नि-कल्पत्व (agnikalpa-tva) *n.* resemblance or similarity with fire (in radiance or glory) अस्य पुत्रावग्नि-कल्पावित्यत्रोद्देश्यविशेषणत्वात् संख्या न विवक्षितेति न तयान्यत्र विधेयस्याग्नि-कल्पत्वस्य निषेधः SivārkaMaDi. i. 256. 16 (on i. 1. 21)

अग्नि-कवेताल (agnika-vetāla) *m.* name of a Vetāla or of a class of Vetālas (emitting flame) (cf. **अग्नि-वेताल**) राजाग्नि-कवेतालमारुह्य तत्र गतः PurāPraSam. 7. 14.

अग्नि-कहत (agnika-hata) *adj.* heated on fire वृक्षं स्थूलममुक्तमग्नि-कहतं मध्यं वृद्धं स्फाटितम् Brhajjā. 2. 12.

अग्नि-का (agnikā) *f.* **A** name of one of the Apsaras or celestial nymphs अग्नि-का लक्षणा क्षेमा देवी रम्भा मनोरमा ।...ननुतुस्तत्र संघशः MahāBhā. i. 114. 51; **B** name of a daughter of Vikrānta (विक्रान्तेन महात्मना । उत्पादिताः) तिष्ठो दुहितरश्चैव... । प्रथमा त्वग्नि-का नाम VāyuP. ii. 8. 21; **C** name of a herb or plant, probably *Semicarpus anacardium* वज्रीगोक्षुरवृद्धदारु-शतावर्षश्च गन्धाग्नि-का वर्षाभूसपुनर्नवावृत् (? घृ) तकुमारीत्युक्तदिव्यौषधीन् । हत्वा चूणितमक्षमात्रमखिलं प्रत्येकं वा पिबन् नित्यं क्षीरयुतं भविष्यति नरश्चन्द्रार्कतेजोऽ-धिकः KalyāKā. 6. 55; अग्नि-कोत्तमकन्ये द्वे पिष्ठा हस्तेन तद्रसैः । सर्वाङ्गाभ्यञ्जनं हन्याद् राजिकामण्डलीविषम् ĪśānS'iPa. i. 40. 51; वह्निशिखाग्नि-का ज्ञेयानलरन्धी च सा स्मृता MadaPāNi. 19. 323.

अग्नि-काङ्क्षिन् (agnikāṅkṣ-in) *adj.* desirous of (promoting) the digestive faculty धीस्मृतिमेधाग्नि-काङ्क्षिणां शस्यते घृतम् AṣṭaSam. i. 128. 13 (1. 25)

अग्नि-काञ्चनवर्चस् (agnikāñcana-varcas) *adj.* having a lustre of fire and gold याजनादभिचाराद्वा कचिद्वा मन्त्रकर्मणि । पूतानेव द्विजान् प्राडुरग्नि-काञ्चन-वर्चसः AVPari. 2(6). 5.

अग्नि-कान्ता (agnī-kāntā) *f.* the word *svāhā* personified as the wife of Agni आवाह्य देवीं संपूज्य जातकर्माणि साधयेत् ।...सम्पादयाम्यग्नि-कान्तां समुच्चार्य विधानवित् MahNirvāT. 13. 305 (comm. सम्पादयामीति पदं ततोऽग्नि-कान्तां स्वाहेति पदं समुच्चार्य विधानवित् साधको देव्या जातकर्माणि साधयेत्)

अग्नि-काम (agnī-kāma) *adj.* **i** desirous of fire अरणीमग्नि-कामो वा मग्नाति हृदयं मम । वाचा दुरुक्तम् MahāBhā. xii. 82. 6; i. 750*(1); लोके च 'अग्नि-कामो दारुणी मग्नीयात्' इति विधिवाक्यम् NyāyBh. 119. 11 (on ii. 1. 59); BhāgP. v. 14. 7; NyāyKuA. ii(2). 101. 6; **ii** desirous of aiding digestive faculty अग्नि-कामस्तु मधुना रूपार्थी क्षीरसर्पिषा ... (शतपुष्पाम्) पिबेत् KāśyaS. 186B. 31.

अग्नि-काम्य (agnī-kāmya) *IP.* [Denom. from *agnī*] to desire to have or produce fire or promote digestive faculty एवमपि अग्नि-काम्यति वायु-काम्यतीति प्राप्नोति MahāBh. ii. 188. 9 (on Vār. 2 on P. iii. 4. 114); KāśiVr. on P. vii. 3. 84; इदं तर्हि कार्यम् । अग्नि-काम्यतीति गुणप्रतिषेधो यथा स्यात् Nyās. i. 499. 1 (on P. iii. 1. 9); अग्नि-काम्यतीत्यादौ गुणनिषेधो न प्रयोजनम् PadMañ. on Kāśi-Vr. on P. iii. 1. 9; Prasā. ii. 14. 12.

अग्नि-काय (agnī-kāya) *m.* body of fire, kindling of fire अथ गोत्र-भिदादेशान्नाकिनोऽग्नि-कुमारकाः । चितासु तासु तत्कालमग्नि-कायान् विचक्रिरे Trisā-SaPuC. i. 6. 549; अग्नि-कायेन वा समवदग्धुम् SthānT. 355A. 1.

अग्नि-कारक (agnī-kāraka) *adj.* stimulating digestive faculty, dige- stive, बलवर्णाग्निकारकम् । यद्ददरि त्विदं लौहम् RaseCin. 9. 311 (251. 18)

अग्नि-कारणवाक्य (agnīkāraṇa-vākya) *n.* a (Vedic) sentence stating

fire to be the cause or source यत्र यत्राग्नि-कारणवाक्यानि वर्तन्ते तानि सर्वाण्यपि भूताग्नि-पराण्येव SāṅkaVi.(Ā.) 92. 18.

अग्नि-कारिका (agnī-kārikā) *f.* [DEBRU. p. 319] **1** kindling or feed- ing of (the sacred) fire अग्नीन्धनं त्वग्नि-कार्यं चाग्नि(? शी)श्री चाग्नि-कारिका NāmaMāli. 346; Vaija. 84. 14; अग्नीन्धनं त्वग्नि-कार्यमाग्नीध्रा चाग्नि-कारिका Abhidhā- Cin. 814 = KośaKaTa. 1. 5496; **2** a portable fire-vessel हसन्त्यामग्नि-कार्यं च निगदन्त्यग्नि-कारिकाम् S'abdaRaSaK. 45. 13.

अग्नि-कारित (agnī-kārīta) *adj.* caused by fire सम्भ्रमे चाग्नि-कारिते । आकालिकमनध्यायं विद्यात् सर्वाद्भुतेषु च ManuSm. 4. 118; यस्य करतलयोर्मध्ये यत्र कचिदग्नि-कारितं स्फोटयुपलभ्यते तमशुद्धं विजानीयात् ViraMi.(Vyavahāra.) 201. 21.

अग्नि-कारिन् (agnīkār-in) *adj.* stimulating the digestive faculty शुद्धगन्धो हरेद् रोगान् ... । अग्नि-कारी महानुष्णः RasRaSa. 3. 45; RaseCin. 5. 12 (47. 24); Jivān. 164. 4.

अग्नि-कार्य (agnī-kārya) *adj.* **1** produced from fire अतो यदैवाग्नि-कार्यो धूम इत्यवगतं तदैव तदायत्तामलाभः ... इति ज्ञायते Kāśi. iii. 78. 14 (on 5(4). 131); अग्नि-कार्यं धूमे अग्नि-प्रत्यभिज्ञानं न दृश्यते BrahmSūBh.(Rā.) 449. 14 (on ii. 1. 16); **2** performer of the fire-rite (as a vow) अग्नि-कार्यो ह्यधःशय्यो नक्तमोजी सदा भवेत् BhaviP. 743A. 34 (iv. 96. 7)

अग्नि-कार्य (agnīkārya) *n.* **1A** fire-rite, kindling (the sacred) fire **BI** by a Brahmācārīn **ii** by a Gṛhastha **CI** (for attainment of desired objects or warding off evils) **ii** (during ceremonial function) **iii** (during expiatory rites) **iv** (in connection with *vrata*) **D** fire- worship associated with temple ritual **2** mantras connected with the fire-rite **3i** function of fire **ii** function of burning **4** cauterization **1A** fire-rite, kindling (the sacred) fire अग्नि-कार्येष्वचोचः । एष तापसः MahāBhā. v. 38. 7; पितृदेवाग्नि-कार्येषु तस्मात्तं (कमण्डलुम्) परिवर्जयेत् BaudhDS. i. 4. 21; अग्नि-कार्यात्परिभ्रष्टाः...सर्वे ते वृषलाः स्मृताः ParāSm. 12. 32; अग्नि-कार्यार्धदग्धसिमसिमायमानसमिक्तुशकुसुमम् (आश्रममपश्यम्) Kād. 39. 15; अग्नि-कार्याग्नि-कार्याय SābaBh. 1103. 2 (on iii. 7. 19); °अग्नि-कार्याणि सिध्यन्ति लग्न- स्थिते वा रवौ BrSam. 104. 60(6); अग्नि-कार्येण...तोषयेद्देवदेवेशं गुरुम् PadmP. vi. 81. 105; सूर्याग्नि-कार्यं सततं शुद्धचित्तः समाचर BhaviP. 259B. 16 (i. 175. 8); अग्नि-कार्यस्य शास्त्रावगम्यत्वात् SāṅkarKāBh. 22. 24 (on i. 2. 29); न ह्यत्रैवाणिकस्य कूरमाण्डीभिरग्नि-कार्यमुपपद्यते BālaKri. ii. 94. 12 (on 3. 243); अग्नि-कार्यं होमादौ ब्राह्मणविधिः MayūMāli. 86. 5 (on i. 4. 14); अग्नीन्धनं त्वग्नि-कार्यम् AbhidhāCin. 814; **1Bi** (by a Brahmācārīn) (स्वधर्मः) ब्रह्मचारिणः स्वाध्यायोऽग्नि-कार्या- भिषेकौ ArthSā. i. 30. 1 (1. 3) (comm. अग्नि-शुश्रूषात्रिषवणरत्नाने); उपनीय गुरुः शिष्यं शिक्षयेत्...आचारमग्नि-कार्यं च ManuSm. 2. 69; SamvaSm. 8; अग्नि- कार्यं ततः कुर्यात्संध्योरुभयोरपि YājñasSm. 1. 25; देवाचनान्नाग्नि-कार्याणि तथा गुर्व- भिवादनम् । कुर्वीत MārKp. 34. 63; BrParāSm. 4. 103; AgniP. 153. 13; SaurP. 17. 9; तदाग्नि-कार्यादावप्यनधिकारो ब्रह्मचारिणः स्यात् Aparā. 76. 2 (on 1. 51); केचित्सायमेवाग्नि-कार्यमिच्छन्ति SmṛtiCan. i. 86. 1; अग्नि-कार्यं तथा होमं तस्मिन्नग्नौ विधीयते LaghvāśvaSm. 10. 48; कृतमग्नि-कार्यमग्नौ समिदाधानादिकं येन स (कृताग्नि-कार्यः) ViraMi. 93. 6 (on 1. 31); ViraMi.(Āhnikā.) 152. 17; अन्ये तु अग्नि-कार्यशब्देन व्याहृतिभिर्भैक्षत्रिभागहोममाहुः ViraMi.(Samskāra.) 487. 7; NirṇaSi. 198. 24; यद्वा भैक्षदग्नौ होमोऽग्नि-कार्यं प्रकरणात् न समिदाधानं तस्य सायं प्रातरिति नियमात् BālaKri. i. 51. 1 (on 1. 35); BālamBha. i. 59. 15 (on 1. 14); **1Bii** (by a Gṛhastha (householder)) तत्राग्नि-कार्यं कृतवान्...धनंजयः Mahā- Bhā. i. 206. 15; xiii. 102. 7; शौचेऽग्नि-कार्यं संयोज्याः स्त्रीणां शुद्धिरियं स्मृता Br- haspaSm. 193. 6; MatsyaP. 17. 28; अग्नि-कार्यं यथोद्दिष्टमकार्षं च सुविस्तरम् SivaP. ii(2). 19. 10 (90B. 11); ततः कृत्वाग्नि-कार्यादेः (? दिं) शुश्रूषां भर्तुरत्र सा Kathā- SaSāg. ix. 6. 177; **1Ci** (for attainment of desired objects or for warding off evils) रावणः...ततः क्रोधसमाविष्टो गतः शान्तिगृहं महत् । अग्नि-कार्यं कर्तुकामः Rāmā. vi. 2035(A.)*. 7; अग्नि-कार्यं च यत्कृत्वा करिष्यति च ध्यायुषम् । भस्मना मम वीर्येण मुच्यते सर्वकिल्बिषैः BrahmāṇḍP. i. 27. 109; अग्नि-कार्यं प्रवक्ष्यामि रणादौ जयवर्धनम् AgniP. 125. 49; ततोऽगस्त्यः कृतानन्दः स्वागतं ते महासुने । मनोरथ इवाध्यातो योऽग्नि-कार्यान्त आगतः SkandP. vi. 33. 26; संध्योरग्नि-कार्यं च कुर्यादैश्वर्यसिद्धये SivaP. i. 13. 80 (13A. 8); KathāSaSāg. xviii. 5. 159; SyādvāMañ. 11(272); तस्य (भूतग्रहस्य) बलिकर्मविधानमग्नि-कार्यं ततः ... शान्तिं कुर्यात् Hastyāyur. 235. 17 (2. 32); **1Cii** (during ceremonial functions) षट्कर्मनिरताः शान्ताः...नियोज्यास्तेऽग्नि-कार्यादौ (ग्रहपूजासंबन्धिनि) ... द्विजोत्तमाः BrParāSm. 11. 74; (गृहप्रवेशविधौ) अग्नि-कार्यं ततः कुर्यात् MānaSā. 37. 24; SamarāSū. 37. 30; AśvaVai. 13. 8; इष्टिआद्धे क्रतुर्दक्षो वसुः सत्यश्च वैदिके । कालः कामोऽग्नि-कार्येषु LikhiSm. 51; अभावे च तथा कार्यमग्नि-कार्यं (श्राद्धविधौ)